

किसान विकास सदन

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)

PROMOTED BY :



समृद्ध किसान...
हमारी पहचान...



KVS ORGANIC CULTURE

A COLLABORATED PANEL OF
HABITAT G.I. FARMER PRODUCER ORGANISATION
+
ICAR - NATIONAL RESEARCH CENTRE



सबकी थाली... बिना जहर वाली...



ICAR
NATIONAL
RESEARCH CENTRE



(आईसीएआर - एन आर सी)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् -
नैशनल अनुसंधान केन्द्र द्वारा
गुणवत्ता निर्धारित

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)



HT-राइजोबियम व एजोटोबेक्टर+PSB

तरल जीवाणु खाद
दलहन/गैर दलहन फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

मिट्टी में पड़े व्यर्थ फॉस्फोरस को घुलनशील बनाकर पौधों को उपलब्ध करवाता है, जिससे डी.ए.पी. जैसे जहरीले उर्वरक की पौधे को बहुत कम जरूरत पड़ती है। इससे बीजो की अंकुरण क्षमता तेज हो जाती है। यह पौधे के अन्दर नाइट्रोजन को निर्धारित करता है। जिससे पौधा पर्यावरण में मौजूद प्राकृतिक नाइट्रोजन को ग्रहण करना शुरू कर देता है। जिससे यूरिया जैसे जहरीले उर्वरक की पौधे को बहुत कम जरूरत पड़ती है। इस जीवाणु खाद के प्रयोग से भूमि की उर्वरक क्षमता बढ़ती है। यह पौधे को नाइट्रोजन, पोटाश, फॉस्फोरस इत्यादि की उपलब्धता करवा कर पौधे का संपूर्ण विकास सुनिश्चित करता है।

प्रयोग करने के तरीके :-

इनको मिट्टी में मिलाकर, अन्य जैविक खादों में मिलाकर या सिचाई के समय टपका विधि द्वारा प्रयोग किया जा सकता है या इनका प्रयोग बिजाई के समय बीज उपचारित करने के लिए भी किया जा सकता है।

सावधानियाँ :- इसकी बोतल को धूप से बचाकर रखें। खरपतवार नाशकों के साथ इसका प्रयोग ना करें।

उपयोग मात्रा :- 500 से 1000 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- HT-राइजोबियम+PSB सभी दलहनी फसलों व बरसीम के लिए।

फसल विशेष :- HT-एजोटोबेक्टर+PSB सभी गैर दलहनी फसलों जैसे- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



डी.ओ.पी.

तरल/दानेदार उर्वरक-खाद
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ यह फसल के अन्दर फॉस्फेट की पूर्ति करता है और फसल के तने को मजबूत करने का काम करता है।
- ✓ यह खाद मिट्टी में पड़े व्यर्थ फॉस्फोरस को घुलनशील बनाकर पौधों को उपलब्ध करवाता है, जिससे डी.ए.पी. जैसे जहरीले उर्वरक की पौधे को बहुत कम जरूरत पड़ती है।
- ✓ इसके प्रयोग से 5 से 15 प्रतिशत उत्पादन में वृद्धि होती है और भूमि की उर्वरक क्षमता भी बढ़ती है।
- ✓ पौधों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है व इसके प्रयोग से बीजो की अंकुरण क्षमता तेज हो जाती है और फसल और फलों को गिरने से बचाता है।

प्रयोग करने के तरीके :-

1. तरल DOP का प्रयोग स्प्रे द्वारा और मिट्टी में मिलाकर व अन्य खादों में मिलाकर भी किया जा सकता है।
2. दानेदार DOP का प्रयोग आवश्यकतानुसार छिड़काव द्वारा किया जा सकता है।

सावधानियाँ :- इनको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग रसायनिक उर्वरक/कीटनाशकों के साथ कर सकते।

तरल उपयोग मात्रा :- डी.ओ.पी 500 से 1000 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- डी.ओ.पी 50 कि.ग्रा. प्रति एकड़ या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



एन.पी.के. किंग

तरल/दानेदार उर्वरक-खाद
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ एन.पी.के. के प्रयोग से पौधे की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया तेज होती है।
- ✓ एन.पी.के. के प्रयोग से पौधे की जड़ों का विकास, बढ़वार व फुटाव में आशातित वृद्धि होती है।
- ✓ एन.पी.के. के प्रयोग से पौधे को नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश की उपलब्धता कराता है। जिससे पौधे का सम्पूर्ण विकास सुनिश्चित है।
- ✓ एन.पी.के. के प्रयोग से पौधों में रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है व फूलों की मात्रा अधिक होती है और फूल न गिरने में सहायक है।
- ✓ एन.पी.के. पर्यावरण हितैषी उत्पाद है और यह पौधों के अन्दर पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है।

प्रयोग करने के तरीके :-

1. तरल NPK का प्रयोग स्प्रे द्वारा और मिट्टी में मिलाकर व अन्य खादों में मिलाकर भी किया जा सकता है।
2. दानेदार NPK का प्रयोग आवश्यकतानुसार छिड़काव किया जा सकता है।

सावधानियाँ :- इनको धूप से बचाकर रखें। कीटनाशकों के साथ इसका प्रयोग किया जा सकता है।

तरल उपयोग मात्रा :- 500 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- 50 कि.ग्रा. 2 एकड़ में या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, मूली, आलू, जीरा, सब्जियां, बागवानी इत्यादि।

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)



HT-बाँयोटीका बाँयो मिक्स-54

तरल जीवाणु खाद
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसको मिट्टी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. इसका प्रयोग स्प्रे द्वारा भी किया जा सकता है।
3. इसको जैविक खाद में मिलाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

- ✓ वैदिक टीका के प्रयोग से फसलों में फंगस से छुटकारा मिलता है।
- ✓ वैदिक टीका के प्रयोग उत्पादन में वृद्धि होती है।
- ✓ इसके प्रयोग से बीज व मिट्टी जनित रोगों से सुरक्षा मिलती है।
- ✓ इसके प्रयोग से पौधों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- ✓ इसके प्रयोग से जड़ों व भूमि में फैलने वाले रोगों से सुरक्षा होती है।

सावधानियाँ :- इसकी बोतल को धूप से बचाकर रखें। रसायनिक उर्वरक व कीटनाशकों के साथ इसका प्रयोग ना करें।

उपयोग मात्रा :- 500 से 1000 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूँ, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि सभी फसलों हेतु।

निमो नाशक

तरल/दानेदार जैविक उपचार
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ निमो नाशक सूत्रकृमियों का भक्षण करता है और निमाटोड को नियंत्रित करता है।
- ✓ यह फसलों के जड़ सम्बन्धित रोगों में रोकथाम करता है।
- ✓ इससे प्रतिकूल परिस्थितियों (कम/उच्च नमी) में भी फसल एक समान बढ़वार करने में सक्षम होती है।
- ✓ यह जैविक उपचार उत्पाद पूर्णता: सुरक्षित व प्राकृतिक है।

प्रयोग करने के तरीके :-

इनको मिट्टी में मिलाकर अन्य जैविक खादों में मिलाकर या सिचाई के समय टपका विधि द्वारा प्रयोग किया जा सकता है या इनका प्रयोग बिजाई के समय बीज उपचारित करने के लिए भी किया जा सकता है।

सावधानियाँ :- इनको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग खरपतवार नाशकों के साथ न करें।

तरल उपयोग मात्रा :- निमोनाशक 500 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- निमोनाशक 4 कि.ग्रा. प्रति एकड़ या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूँ, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।

माईकोराइजा

तरल/दानेदार जीवाणु खाद
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ माईकोराइजल कवक पौधों को मिट्टी से अधिक पोषक तत्व और पानी उपलब्ध करवाने में सहायक है। वे विभिन्न पर्यावरणीय तनावों के प्रति पौधों की सहनशीलता को भी बढ़ाते हैं। इसके अलावा, ये कवक मिट्टी एकत्रीकरण प्रक्रिया में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं और माइक्रोबियल गतिविधि को उत्तेजित करते हैं।
- ✓ इसके प्रयोग 5 से 15% उत्पादन में वृद्धि होती है। जीवाणु खाद जड़ों द्वारा फैलने वाले रोगों को रोकता है।
- ✓ यह पौधे के अन्दर नाइट्रोजन को निर्धारित करता है। जिससे पौधा पर्यावरण में मौजूद प्राकृतिक नाइट्रोजन को ग्रहण करना शुरू कर देता है। जिससे यूरिया जैसे जहरीले उर्वरक की पौधे को बहुत कम जरूरत पड़ती है।

प्रयोग करने के तरीके :-

1. तरल माईकोराइजा का प्रयोग स्प्रे द्वारा और मिट्टी में मिलाकर व अन्य जैविक खादों में मिलाकर भी किया जा सकता है।
2. दानेदार माईकोराइजा का प्रयोग आवश्यकतानुसार मिट्टी व अन्य जीवाणु खाद में मिलाकर छिड़काव करें।

सावधानियाँ :- इनको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग रसायनिक उर्वरक/कीटनाशकों के साथ नहीं कर सकते।

तरल उपयोग मात्रा :- माईकोराइजा 500 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- माईकोराइजा 3 कि.ग्रा. प्रति एकड़ या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूँ, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)

वैदिक जाँड़म

दानेदार उर्वरक-खाद
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसको मिट्टी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. इसको खाद में मिलाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

- ✓ यह पौधों का एक संतुलित भोजन है। जो पौधों के सभी भागों में आसानी से अवशोषित हो जाता है। इसमें मुख्यतः जैविक रूप से प्राप्त एन्जाइम विटामिन, कार्बोनिन अम्ल हैं जो कि पौधों के विकास में सहायक हैं। फसल का स्वस्थ बढ़ाव और अधिक उपज और ज्यादा एवं स्वस्थ शाखाओं का विकास।
- ✓ वैदिक जाँड़म संतुलित आहार और पौधों में पोषण तत्वों प्रदान करता है।
- ✓ वैदिक जाँड़म शुरूआत से फूलों व फलों को गिरने से रोकता है।

सावधानियां :- इसको धूप से बचाकर रखें। खरपतवार नाशकों के साथ इसका प्रयोग कर सकते हैं।

उपयोग मात्रा :- 3 किलोग्राम प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- बाजरा, कपास, धान, मिर्ची, प्याज, आलू, गेहूं, चाय, कॉफी, जीरा, मक्का, गन्ना, इत्यादि



वैदिक जिंक

तरल/पाऊडर/दानेदार उर्वरक-खाद
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ एच.टी. जिंक दलहन फसलों में जिंक के प्रयोग से पौधों में प्रोटीन संचय करने की क्षमता बढ़ जाती है।
- ✓ एच.टी. जिंक पौधों में क्लोरोफिल के निर्माण में सहायक होता है।
- ✓ एच.टी. जिंक पौधों में नाइट्रोजन को पचने की क्षमता को बढ़ाता है।
- ✓ एच.टी. जिंक विभिन्न फसलों में प्रकाश संश्लेषण करने में सहायक है।
- ✓ एच.टी. जिंक मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों को फसल को दिलाने में लाभदायक है।
- ✓ एच.टी. जिंक पौधों के उपजाऊपन बढ़ाता है और बिमारियों से भी बचाता है।

प्रयोग करने के तरीके :-

1. दानेदार जिंक का प्रयोग छिड़काव द्वारा आवश्यकतानुसार किया जा सकता है।
2. तरल/पाऊडर जिंक का प्रयोग स्प्रे द्वारा व मिट्टी में मिलाकर व अन्य खादों में मिलाकर भी कर सकते हैं।

सावधानियां :- इनको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग खरपतवार नाशकों के साथ कर सकते हैं।

दानेदार उपयोग मात्रा :- 5 कि.ग्रा. प्रति एकड़ में या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

पाऊडर उपयोग मात्रा :- 200 ग्रा. प्रति एकड़ में या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

तरल उपयोग मात्रा :- 2-3 मि.ली. प्रति लीटर पानी या 500 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



वैदिक वीटा

तरल उर्वरक-खाद
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसको मिट्टी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. इसका प्रयोग स्प्रे द्वारा भी किया जा सकता है।
3. इसको खाद में मिलाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

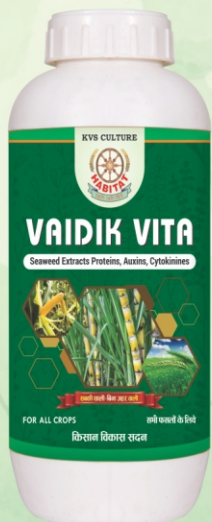
फसलों में लाभ :-

- ✓ वैदिक वीटा के प्रयोग से पौधों में बढ़वार व फुटाव बहुत अच्छा होता है, पौधों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है।
- ✓ वैदिक वीटा के प्रयोग से फूल की मात्रा अधिक होती है और उसे गिरने जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है व फल के विकास में सहायता करती है। इसके प्रयोग से उत्पादन व गुणवत्ता में वृद्धि होती है व पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।
- ✓ वैदिक वीटा भूमि में उपलब्ध होने वाले सभी पोषक तत्वों के मोलिक्यूल को विकसित होने में सहायक है। यह पौधों को एमिनो नाइट्रोजन की उपलब्धता कराता है। पौधों के अन्दर पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है।
- ✓ वैदिक वीटा के इस्तेमाल से पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया तेज होती है।

सावधानियां :- इसकी बोतल को धूप से बचाकर रखें। खरपतवार नाशकों के साथ इसका प्रयोग कर सकते हैं।

उपयोग मात्रा :- 200 से 250 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)



एच.टी. पैडी स्पेशल

तरल उर्वरक-खाद
स्पेशल धान के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसका प्रयोग स्प्रे द्वारा भी किया जा सकता है।
2. इसको खाद व मिट्टी में मिलाकर भी छिड़काव कर सकते हैं।
3. इसको रसायन के साथ भी मिला सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

- ✓ एच.टी. पैडी स्पेशल 25 अमीनोज एवं खनिज-लवणों का मिश्रण है। जिससे यह पौधों को सम्पूर्ण प्रदान करता है।
- ✓ यह तरल ग्लूकोज के साथ किण्वन प्रक्रिया के साथ तैयार किया जाता है, जिससे यह पुर्णतः अवशोषित हो जाता है।
- ✓ इसमें बाँयो-एन्जाईम होने के कारण प्रोटीन का अच्छा स्रोत है और पुर्णतः जह्रमुक्त उत्पाद है।
- ✓ यह पौधे में दानों की संख्या, भार, चमक व बालियों की लम्बाई को बढ़ाता है। जिससे उपज ज्यादा मिलती है।
- ✓ यह धान की पोषकता व स्वाद को बढ़ाता है, जिससे उपज का मूल्य अधिक मिलता है।

सावधानियाँ :- इसकी बोतल को धूप से बचाकर रखें। खरपतवार नाशकों के साथ इसका प्रयोग कर सकते हैं।

उपयोग मात्रा :- 4-5 मि.ली प्रति एकड़ पानी के साथ या 400-500 मि.ली. प्रति एकड़ प्रयोग करें।

फसल विशेष :- धान के लिए विशेष व अन्य सभी फसलों के लिए भी अति लाभदायक।



वैदिक पोटाश

तरल/दानेदार उर्वरक-खाद
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ पोटाश सूखा, ओला, पाला आदि से बचाने में मदद करता है।
- ✓ पोटाश जड़ों को समुचित वृद्धि करके फसलों को उखड़ने से बचाता है।
- ✓ पोटाश के प्रयोग से पौधों की कोशिका दीवारें मोटी होती हैं और तने कोष्ठ की परतों में वृद्धि होती रहती है, जिसके फलस्वरूप फसल के गिरने में रक्षा होती है।
- ✓ पोटाश के प्रयोग से फलों व फूलों का आकार, वजन व स्वाद बढ़ता है।

प्रयोग करने के तरीके :-

1. तरल पोटाश का प्रयोग स्प्रे द्वारा और मिट्टी में मिलाकर व अन्य खादों में मिलाकर भी किया जा सकता है।
2. दानेदार पोटाश का प्रयोग आवश्यकतानुसार छिड़काव किया जा सकता है।

सावधानियाँ :- इनको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग खरपतवार नाशकों के साथ कर सकते हैं।

तरल उपयोग मात्रा :- 500 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- 50 कि.ग्रा. 1 से 2 एकड़ में या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूँ, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



वैदिक QUICK स्पाइडर

तरल उर्वरक
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसका प्रयोग स्प्रे द्वारा भी किया जा सकता है।
2. इसको किसी भी प्रकार की स्प्रे में मिलाकर प्रयोग कर सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

वैदिक स्पाइडर नई पीढ़ी का मल्टी-एक्शन सिलिकन आधारित एडजुवेंट है, जो सभी स्प्रे समाधानों की दक्षता में सुधार लाता है। यह स्प्रे समाधान के सतह तनाव को कम करता है, जिससे पत्तियों पर की हुई स्प्रे का अधिक कुशल फैलाव होता है। यह कीटों के लिए मकड़जाल की तरह काम करता है। यह सभी फसल देखभाल अणुओं के साथ संगत है। वैदिक स्पाइडर को किसी भी प्रकार की स्प्रे के अन्दर मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

सावधानियाँ :- इसकी बोतल को धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग रसायनिक उर्वरक/कीटनाशकों के साथ कर सकते हैं।

उपयोग मात्रा :- 50 से 100 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूँ, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)



हैमर-के HAMMER-K

तरल जैव उपचार+PGR
सभी फसलों के लिए

उपयोगिता :-

- ✓ किसी भी फसल में इसका छिड़काव किया जा सकता है व किसी भी तरल PGR/फर्टिलाइजर में मिलाकर स्प्रे की जा सकती है।
- ✓ किसी भी प्रकार के दुसरे insecticide में मिलाया जा सकता है।
- ✓ इसके इस्तेमाल से लट, सुंडी, कीड़ा, गोभ का कीड़ा इत्यादि तुरंत छुटकारा पाया जा सकता है।
- ✓ इसका एक बार स्प्रे करने के बाद 15 से 20 दिन तक रिजल्ट रहता है और ह फसल को अन्य प्रकोपों से सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रयोग विधि :-

- ✓ अगर समस्या कम है मतलब की फसल में लट, सुंडी फीडा लगने का शुरुआती दौर है तो मात्र 250 प्रति एकड़ इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ✓ अगर उपरोक्त बीमारी की पहले से ज्यादा समस्या है तो 500 ml प्रति एकड़ का प्रयोग करें।

यह भारत में निर्मित एकमात्र फसल प्रकोपों पर काबू पाने के लिए तुरन्त रिजल्ट प्लांट अन्तर्वाही प्रभावी उत्पाद है, जो सभी प्रकार की फसलों और बागानों में उपयोग में लाए जा सकते हैं। इसमें PGR+ होने के कारण यह फसलों को प्रकोपों से बचा कर आगे विकसित होने के लिए जरूरी न्यूट्रीशन और पोषण प्रदान करता है।



हैमर-एम HAMMER-M

तरल जैव उपचार+PGR
सभी फसलों के लिए

- ✓ किसी भी फसल में सफेद मक्खी, मच्छर, तेला, चेपा इत्यादि में इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ✓ किसी भी पदमबजपबपकम में मिला कर प्रयोग कर सकते हैं।
- ✓ HAMMEER-M का रिजल्ट कम से कम 15 दिन एक रहेगा।
- ✓ यह जमीन में नीचे डालने पर दीमक पर भी प्रभावी काम करता है।
- ✓ किसी PGR या फर्टिलाइजर में मिलाकर छिड़काव सकते हैं।

प्रयोग विधि :-

- ✓ HAMMER-M 250 ml स्प्रे के लिए प्रति एकड़ डोज रहेगी। अगर उपरोक्त बीमारी की पहले से ज्यादा समस्या है तो 500 उस प्रति एकड़ का प्रयोग करें।
- ✓ HAMMER-M निचे जमीन में 500 प्रति एकड़ डिमक की रोकथाम के लिए।

यह भारत में निर्मित एकमात्र फसल प्रकोपों पर काबू पाने के लिए तुरन्त रिजल्ट अन्तर्वाही प्रभावी उत्पाद है, जो सभी प्रकार की फसलों और बागानों में उपयोग में लाए जा सकते हैं। इसमें PGR+ होने के कारण यह फसलों को प्रकोपों से बचा कर आगे विकसित होने के लिए जरूरी न्यूट्रीशन और पोषण प्रदान करता है।



वैदिक बलराजा सल्फर

पाऊंडर उर्वरक
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसको मिट्टी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. इसको खाद में मिलाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

- ✓ वैदिक सल्फर एक आवश्यक द्वितीय पोषक तत्व है, जिसकी मुख्य पोषक तत्वों (एन.पी.के) की मांग की तुलना में कम होती है
- ✓ वैदिक सल्फर का तेल वाली फसलों के साथ-साथ सभी प्रकार की फसलों के उत्पादन बढ़ाने में विशेष योगदान होता है।
- ✓ वैदिक सल्फर उर्वरक फसलों को सल्फर की मांग पूरा करने के लिए सबसे अच्छा उत्पाद है, जिसमें 90% सल्फर होता है।
- ✓ यह पौधों को हरा बनाने में सहायक है और जड़ों में नाइट्रोजन स्थिरीकरण को बढ़ाने में सहायक है।
- ✓ कई प्रकार के रस उत्पादन, उनके सक्रिय बनाने व पौधों में प्रोटीन उत्पादन में सहायक है और तेल वाली फसलों में तेल उत्पादन व तेल में तीखापन को बढ़ाने में सक्षम है।

सावधानियां :- इसके बैग को धूप से बचाकर रखें। रसायनिक उर्वरक व कीटनाशकों के साथ इसका प्रयोग कर सकते हैं।

उपयोग मात्रा :- 3 कि.ग्रा. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)



वैदिक कैल्शियम

दानेदार उर्वरक-खाद
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसको मिट्टी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. इसको खाद में मिलाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

- ✓ पौधों के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी होता है। यह पानी में पाये जाने वाले आवश्यक पोषक तत्वों को पौधे की जड़ों में अवशोषित करने में मदद करता है। इसके अलावा कैल्शियम पौधे में प्लान्ट सेल को बनाये रखने और फल बनाने के लिए जरूरी होता है। सम्पूर्ण विकास करता है व इससे पैदावार अधिक गुणवत्तापूर्ण होती है।

सावधानियां :- इसको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग उर्वरक के साथ मिलाकर कर सकते हैं।

उपयोग मात्रा :- 5 कि.ग्रा. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



सी.बी.डी.

दानेदार उर्वरक-खाद
सभी फसलों का संतुलित पोषण

क्रॉप्स बैलेंस्ड डायट फर्टिलाइजर संपूर्ण भारत में एकमात्र सर्वोत्तम श्रेणी का उर्वरक है जो फसलों को संतुलित पोषण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन व जर्मनी वेस्ट आयातित टेक्नोलॉजी पर निर्मित किया गया है। यह उर्वरक फसलों की वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्वों को एक संतुलित मात्रा में प्रदान करता है। सीबीडी का उपयोग रबी व खरीफ की सभी फसलों में किया जा सकता है, जैसे कि...अनाज,दलहन,तिलहन,फल,फूल,सर्प,जियां,गन्ना,गेहूँ,चावल,सरसों,चारा,मूंगफली,जीरा,ईसबगोल,औषधियां,बागवानी,गार्डनिंग,ऑर्चर्ड इत्यादि।

उपयोग विधि : इसको एकले या किसी भी जैविक/ रासायनिक उर्वरकों के साथ मिलकर सभी फसलों में उपयोग किया जा सकता है।

उपयोग मात्रा : प्रति एकड़ 25 किलो ग्राम या पौधे के साईज अनुरूप, प्रति पौधा 1 कि. ग्राम, अर्धविकसित पौधा 500 ग्राम और छोटा पौधा 250 ग्राम प्रति पौधा प्रयोग करें।

फायदे:

1. इसका प्रयोग किसी भी समय, किसी भी फसल/पेड़/पौधों में किया जा सकता है। यह अपने आप में पौधों के लिए एक संपूर्ण खुराक है।
2. इसके प्रयोग से पौधे को सभी प्रकार के माइक्रो और मैक्रो न्यूट्रियेंट प्राप्त होते हैं

तथा पौधे की रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।

3. इसके उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है, पौधा मिट्टी से सभी खुराक ग्रहण करता है, और हरा भरा रहता है।
4. भूमि में PH मान संतुलित होता है, इससे भूमि में उर्वरा शक्ति बढ़ने के साथ साथ कार्बन क्रेडिट में जबरदस्त वृद्धि होती है।
5. इसके प्रयोग से पौधे की जड़ों का संपूर्ण एवम गहराइयों तक विकास होता है, जिससे पौधों के तने को लंबे समय तक बढ़ोतरी मिलती है। पौधे को बीमारियों से बचने व लड़ने में मदद मिलती है। यह लट, दीमक, नीमाटोड, जड़ गांठ, जड़ गलत, तना गलन, गोभ का कीड़ा, जड़ का कीड़ा, फसल के सभी जड़ सम्बंधित रोगों को खत्म करके फसल व पेड़ पौधों को संपूर्ण पोषण एवं सुरक्षा प्रदान करता है, पौधे रोग प्रतिरोधक क्षमता के साथ विकसित होते हैं, जिससे पैदावार में लगातार वृद्धि होती है।

सावधानियां:-

1. धूप व ज्यादा तापमान से बचा कर रखें। फसल/पेड़/पौधों में किसी भी पोषक तत्वों की कमी नजर आने पर तुरंत प्रयोग करें।
2. इसकी प्रयोग मात्रा को कम या ज्यादा करने के लिए एक्सपर्ट की सलाह लें

ब्लैक यूरिया

तरल/दानेदार उर्वरक-खाद
सभी फसलों के लिए



ब्लैक यूरिया एक प्राकृतिक और जैविक उर्वरक है जो फसलों के विकास और वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है।

इसके फायदे निम्नलिखित हैं :-

- ✓ प्राकृतिक और जैविक होने के कारण यह मिट्टी और पौधों के लिए सुरक्षित है।
 - ✓ यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है और उसे उपजाऊ बनाता है।
 - ✓ यह पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है, जैसे कि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, और पोटैश।
 - ✓ यह पौधों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है।
 - ✓ यह पौधों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और उन्हें बीमारियों से लड़ने में मदद करता है।
 - ✓ यह मिट्टी को जहरीले रासायनिकों के दुष्प्रभाव से बचाता है व संरचना को सुधारता है और उसे अधिक उपजाऊ बनाता है।
 - ✓ यह फसलों में नाइट्रोजन की पूर्ति प्राकृतिक तौर पर करता है। यह पर्यावरण के अनुकूल है और मिट्टी को प्रदूषित नहीं करता है।
 - ✓ यह पौधों की पैदावार को बढ़ाता है और उन्हें अधिक स्वस्थ बनाता है।
- इन फायदों के कारण, ब्लैक अग्रगण्य यूरिया एक लोकप्रिय और उपयोगी जैविक उर्वरक है जो फसलों के विकास और वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व तथा नाइट्रोजन प्रदान करता है।

प्रयोग विधि :-

- ✓ तरल 500 मिली. ली. या दानेदार 10 किलोग्राम प्रति एकड़ में इस्तेमाल करें।
- ✓ एक्सपर्ट की सलाह से विषले रासायनिकों के दुष्प्रभाव से भूमि को बचाने के लिए उपयोग मात्रा को बढ़ाया जा सकता है।
- ✓ किसी भी अन्य खादों व रासायनिक उत्पादों के साथ मिला कर इस्तेमाल किया जा सकता है। धूप से बचा कर रखें।

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)

वी.टी. वॉटर ट्रीटमेंट

तरल/दानेदार/पाउडर जैविक जल उपचार उर्वरक
हर प्रकार की मिट्टी व पानी के लिए



जल उपचार एक जैविक उर्वरक है, जिसको विभिन्न तकनीकों और प्रक्रियाओं द्वारा निर्मित किया गया है। इसके द्वारा कठोर व विषैला जल, नमकीन व खारा जल, प्रदूषित व हानिकारक जल को शुद्ध करने और उसे सिंचाई में उपयोग करने योग्य बनाया जा सकता है।

वॉटर ट्रीटमेंट के उद्देश्य व लाभ:

1. जल को शुद्ध करना, उसे उपयोग करने योग्य बनाना तथा गुणवत्ता में सुधार करना तथा बोरवेल/ tubewell/भूमिगत जल को सींचाई योग्य बनाना।
2. जल में मौजूद हानिकारक पदार्थों और रोगाणुओं को हटाना।
3. जल को सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग करने योग्य बनाना।
4. जल संसाधनों का संरक्षण व पर्यावरण की सुरक्षा करना।

वॉटर ट्रीटमेंट फर्टिलाइजर के अनुप्रयोग की आवृत्ति -

1. फसल की शुरुआत में: वॉटर ट्रीटमेंट फर्टिलाइजर का पहला अनुप्रयोग फसल की शुरुआत में करना चाहिए।
2. फसल की वृद्धि के दौरान: वॉटर ट्रीटमेंट फर्टिलाइजर का दूसरा अनुप्रयोग फसल की वृद्धि के दौरान करना चाहिए।

3. फसल की कटाई से पहले: वॉटर ट्रीटमेंट फर्टिलाइजर का तीसरा अनुप्रयोग फसल की कटाई से पहले करना चाहिए।

यह ध्यान रखें कि वॉटर ट्रीटमेंट फर्टिलाइजर की प्रति एकड़ मात्रा और अनुप्रयोग की आवृत्ति जल की गुणवत्ता, मिट्टी की उर्वरता और फसल की आवश्यकताओं पर निर्भर करती है। इसलिए, वॉटर ट्रीटमेंट फर्टिलाइजर का उपयोग करने से पहले कृषि विशेषज्ञ/ एकस्पर्ट से परामर्श करना आवश्यक है।

VT जल शोधक का प्रयोग..

1. प्रति एकड़ एक लिटर तरल या 1 किलोग्राम पाउडर सभी फसलों की बुआई से पहले सिंचाई के समय भूमि पर छिड़काव करें।
2. प्रति एकड़ एक लिटर तरल खड़ी फसल में टपका विधि या ड्रिप विधि से पानी में मिलकर सिंचाई करें।

सावधानी

- * खड़ी फसल में स्प्रे विधि से इस्तेमाल सीमित मात्रा में करें, फसल के पत्तों पर धब्बे आ सकते हैं।
- * सीधे घूप व तापमान से बचा कर रखें

बीज उपचार (HT-54)

तरल जैव बीज उपचार
सभी फसलों के लिए



यह बीज उपचार फर्टिलाइजर एक प्रकार का उर्वरक है जो सभी फसलों, पौधों, फल और फूलों के बीजों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया जाता है। यह बीजों को संक्रमण से बचाने और उनकी अंकुरण दर को बढ़ाने में मदद करता है।

बीज उपचार फर्टिलाइजर में शामिल तत्व

1. फॉस्फोरस: बीजों की वृद्धि और विकास के लिए।
2. पोटैश: बीजों की उत्पादकता और गुणवत्ता के लिए।
3. नाइट्रोजन: बीजों की वृद्धि और विकास के लिए।
4. माइक्रो-न्यूट्रिएंट्स: जिंक, मैंगनीशियम, कॉपर, बोरॉन आदि।
5. जैविक तत्व: राइजोबियम, एजोस्फिरिलम, फॉस्फोरस सोलुबिलाइजिंग बैक्टीरिया आदि।

फायदे:

1. बीजों की अंकुरण दर बढ़ जाती है। फसलों की वृद्धि और विकास में तेजी आती है।
2. फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है। मिट्टी की उर्वरता बढ़ जाती है।
3. फसलों की बीमारियों और कीटों से रक्षा होती है।
4. फसलों की गुणवत्ता में सुधार होता है। खाद्य सुरक्षा में मदद मिलती है।

5. पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है।

HT 54 बीज उपचार फर्टिलाइजर का उपयोग:

1. बीजों को फर्टिलाइजर में डुबाना।
2. बीजों पर फर्टिलाइजर का छिड़काव।
3. मिट्टी में फर्टिलाइजर का मिलाना।

फसल विशेष बीज उपचार HT-54

रबी और खरीफ की सभी प्रमुख फसलों के लिए बीज उपचार:

✓ रबी की फसलें

गेहूं, जौ, चना, मसूर, सरसों, रेपसीड, कुसुम, अलसी, आलू, मटर, तारामीरा इत्यादि

✓ खरीफ की फसलें

धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन, कपास, जूट, सब्जियां, अदरक, प्याज, चावल, चारा, गन्ना, तिल, ग्वार, सनई, मोठ लोबिया, हैचा, मिंडी इत्यादि। यह ध्यान रखें कि बीज उपचार फर्टिलाइजर का उपयोग 20-25 मि. ली. प्रति किलो ग्राम बीज के लिए या मात्रा को बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों की सलाह से और निर्देशों के अनुसार करना चाहिए

VT-PLANT फंगस रोधक

तरल जैव कवक एवं कीटनाशक
सभी फसलों के लिए



VT Plant Fungicide वी.टी.टी. कवकनाशी एक जैविक कीटनाशक है जो कवक और उनके बीजाणुओं को मारते हैं या उनके विकास को रोकते हैं। इसका उपयोग जंग, फफूंदी और ब्लाइट सहित पौधों को नुकसान पहुंचाने वाले कवक को नियंत्रित करने तथा फफूंदी और फफूंदी को नियंत्रित करने के लिए भी किया जा सकता है।

कवकनाशी विभिन्न तरीकों से काम करते हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश कवक कोशिका झिल्ली को नुकसान पहुंचाते हैं या कवक कोशिकाओं के भीतर ऊर्जा उत्पादन में बाधा डालते हैं ऐसे सभी फफूंद पर काबू पाया जा सकता है और यह अन्य फंगल रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

प्लांट फंगिसाइड के लाभ:

1. फंगल रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे पौधों की वृद्धि और उत्पादन में सुधार होता है।
2. पौधों की सेहत में सुधार करता है, जिससे वे अधिक मजबूत और स्वस्थ होते हैं।
3. फसल की गुणवत्ता में सुधार करता है, जिससे यह अधिक मूल्यवान और बिक्री योग्य होती है।

प्रयोग मात्रा

1. तरल vt fungicide प्रति एकड़ 250 एम एल का प्राग स्प्रे विधि से करें। इसकी उपयोग मात्रा को फसल व ज़रूरत के अनुरूप एक्सपर्ट की सलाह से कम या ज्यादा किया जा सकता है।
2. इसका प्रयोग किसी भी रासायनिक उर्वरक या स्प्रे के साथ मिलकर या बाद में या पहले किया जा सकता है।

सावधानियां

1. फंगिसाइड का उपयोग सही तरीके से करें ताकि यह प्रभावी ढंग से काम कर सके।
2. फंगिसाइड का उपयोग नियमित रूप से करें ताकि फंगल रोग को नियंत्रित किया जा सके।
3. सीधे सनलाइट और तापमान से बचा कर रखें।

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)

गन्ना डोजर

तरल/दानेदार उर्वरक-खाद
Spl. for Sugarcane Crop



गन्ना डोजर : ईस्व खाद, या गन्ने की खाद एक प्राकृतिक और जैविक खाद है जो गन्ने के अवशेषों व अतिरिक्त जैविक पौषक तत्वों से बनाई जाती है। यह खाद मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और गन्ने की फसलों की वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करती है।

ईस्व खाद के फायदे :

1. यह पूर्णतया जहर मुक्त जैविक उत्पाद है जिससे जमीन एवं पर्यावरण पूर्णतया सुरक्षित है
2. इसमें 25 प्रकार के एमिनोज व सभी सूक्ष्म पोषक तत्व हैं जिससे पौधे का संपूर्ण पोषण होता है
3. इसके प्रयोग से गन्नों की संख्या व साइज व मोटाई बढ़ती है जिससे उपज ज्यादा होती है
4. इसके प्रयोग से जड़ एवं तना मजबूत होता है जिससे गन्ना गिरकर खराब नहीं होता।
5. ईस्व खाद में एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो कीट और रोगों से फसलों की रक्षा करते हैं।
6. ईस्व खाद मिट्टी की pH मान में सुधार करती है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ जाती है।
7. ईस्व खाद मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ाती है, जिससे फसलों को अधिक पानी मिलता है।
8. फसलों की गुणवत्ता में सुधार करती है, जिससे फसलों का स्वाद और पोषण मूल्य बढ़ जाता है।
9. गन्नों की गुणवत्ता, रस एवं मिठास बेहतर होता है जिससे गुड़ एवं चीनी की मात्रा ज्यादा निकलती है।
10. पौधे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा भूमि का जैविक अंश एवम उपजाऊ क्षमता में वृद्धि होती है।

उपयोग विधि:-

इसको किसी भी खाद या रसायन के साथ मिलाकर डाला जा सकता है

सावधानियां:-

इसके प्रयोग के समय भूमि में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। इसको सीधे धूप से बचा कर रखें।

उपयोग मात्रा:-

10 की.ग्रा. प्रति एकड़ या एकसप्ट की सलाह से मात्रा को बढ़ाया जा सकता है।

पोटेटो किंग

दानेदार उर्वरक-खाद
Spl. for Potato Crop



फसलों में लाभ:-

- ✓ यह पूर्णतया जैविक उत्पाद है जिससे पौधे सकारात्मक एवं प्रभावी बढ़ोतरी करते हैं एवं तनाव रहित होकर पूर्णता प्राप्त करते हैं
- ✓ इसमें 25 प्रकार के एमिनोज व सभी पोषक तत्व हैं जिससे पौधे का संपूर्ण पोषण होता है
- ✓ इसके प्रयोग से आलू की संख्या व साइज बढ़ता है जिससे उपज ज्यादा होती है
- ✓ इसके प्रयोग से आलू की गुणवत्ता, स्वाद एवं चमक बेहतर होता है जिससे बाजार में उपज की अच्छी कीमत मिलती है
- ✓ इसके प्रयोग से पौधे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा भूमि का जैविक अंश एवम उपजाऊ क्षमता में वृद्धि होती है

उपयोग विधि:- इसको किसी भी खाद या रसायन के साथ मिलाकर डाला जा सकता है

सावधानियां:-

1. इसके प्रयोग के समय भूमि में पर्याप्त नमी होनी चाहिए।
2. इसको सीधे धूप से बचा कर रखें।

उपयोग मात्रा :-

10 की.ग्रा. प्रति एकड़ या एकसप्ट की सलाह से मात्रा को बढ़ाया जा सकता है।

डी.ओ.पी. स्पैशल

दानेदार उर्वरक-खाद
Special for - Horticulture, Vegetables, Home Gardening, Kitchen Gardening, Nursery etc.



DOP Special (डिक्पोज्ड ऑर्गेनिक फॉस्फेट) एक लोकप्रिय स्पेशल उर्वरक है जो वेजिटेबल, बागवानी, किचन गार्डनिंग, होम गार्डनिंग पौधशाला की खेती में विशेष रूप से तैयार किया गया एक उपयोगी है। स्पेशल उर्वरक के कई फायदे हैं:

1. उर्वरक पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है, जिससे उनकी वृद्धि और विकास में सुधार होता है।
2. उर्वरक फलों और वेजिटेबल की गुणवत्ता में सुधार करता है, जिससे वे अधिक स्वादिष्ट और पोषिक होते हैं।
3. मिट्टी की उर्वरता में सुधार करता है, जिससे पौधों को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं।
4. पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है, जिससे वे रोगों से लड़ने में सक्षम होते हैं।
5. उत्पादन में वृद्धि करता है, जिससे किसानों को अधिक लाभ होता है।
6. पर्यावरण अनुकूल होता है, जिससे मिट्टी और जल संसाधनों का संरक्षण होता है।
7. पौधों की जड़ों की वृद्धि में सुधार करता है, जिससे वे अधिक पोषक तत्वों को अवशोषित कर सकते हैं।
8. पौधों की पत्तियों की संख्या में वृद्धि करता है, जिससे वे अधिक प्रकाश संश्लेषण कर सकते हैं।

इन फायदों के अलावा, स्पेशल उर्वरक का उपयोग करने से किसानों को कई अन्य लाभ भी हो सकते हैं, जैसे कि:

* अधिक लाभदायक उत्पादन * कम रसायनों का उपयोग * पर्यावरण संरक्षण * स्वस्थ और सुरक्षित खाद्य उत्पादन

DOP Special का उपयोग कैसे करें

1. बीजों के समय: बीजों के समय DOP Special को मिट्टी में मिलाएं।

2. पौधों की वृद्धि के समय: पौधों की वृद्धि के समय DOP Special को मिट्टी में मिलाएं।

3. फूल आने के समय: फूल आने के समय DOP Special को मिट्टी में मिलाएं।

उपयोग मात्रा :-

DOP Special की मात्रा मिट्टी की उर्वरता और वेजिटेबल, बागवानी, पौधशाला की आवश्यकताओं पर निर्भर करती है, इसलिए कृषि विशेषज्ञ से परामश कराना आवश्यक है

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...

एक किसान उत्पादक समूह

(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)



HT-भूमि उपचार/BHUMI UPCHAR

पाऊंडर जीवाणु खाद
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसको मिट्टी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. इसका प्रयोग स्प्रे द्वारा भी किया जा सकता है।
3. इसको खाद में मिलाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

- ✓ एच.टी. भूमि उपचार मिट्टी और बीज के कीटों के विरुद्ध अंकुरों और जड़ों की सुरक्षा करता है।
- ✓ एच.टी. भूमि उपचार से प्रतिकूल परिस्थितियों (कम/उच्च नमी) में भी फसल एक समान बढ़वार करने में सक्षम होती है।
- ✓ एच.टी. भूमि उपचार से पादक परजीवी निमाटोड्स को नियंत्रण किया जा सकता है।
- ✓ एच.टी. भूमि उपचार का प्रयोग मिट्टी को उपचारित करने हेतु करना उत्तम रहता है।
- ✓ एच.टी. भूमि उपचार जड़ गलन रोग को भी रोकता है।

सावधानियां :- इसकी बोतल को धूप से बचाकर रखें। खरपतवार नाशकों के साथ इसका प्रयोग ना करें।

उपयोग मात्रा :- 150 से 200 ग्राम प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



HT-फल रक्षक/PHAL RKSK

पाऊंडर जीवाणु खाद
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसको मिट्टी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. इसका प्रयोग स्प्रे द्वारा भी किया जा सकता है।
3. इसको खाद में मिलाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

- ✓ एच.टी. फल रक्षक मिट्टी, बीज, पौधे व फल के फंगस जनित रोगों के विरुद्ध अंकुरों, पत्तों तथा तने व फलों की सुरक्षा करता है।
- ✓ एच.टी. फल रक्षक से प्रतिकूल परिस्थितियों (कम/उच्च नमी) में भी फसल एक समान बढ़वार करने में सक्षम होती है।
- ✓ एच.टी. फल रक्षक से फंगस को नियंत्रण किया जा सकता है।
- ✓ एच.टी. फल रक्षक का प्रयोग फूल बनने से पहले करने से फल की गुणवत्ता वृद्धि होती है।
- ✓ एच.टी. फल रक्षक फूल झड़ने को भी रोकता है।

सावधानियां :- इसकी बोतल को धूप से बचाकर रखें। खरपतवार नाशकों के साथ इसका प्रयोग ना करें।

उपयोग मात्रा :- 150 से 200 ग्राम प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।



HT-बूटा रक्षक/BUTA RKSK

पाऊंडर जीवाणु खाद
सभी फसलों के लिए

प्रयोग करने के तरीके :-

1. इसको मिट्टी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. इसका प्रयोग स्प्रे द्वारा भी किया जा सकता है।
3. इसको खाद में मिलाकर भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसलों में लाभ :-

- ✓ एच.टी. बूटा रक्षक मिट्टी और बीज के कीटों के विरुद्ध अंकुरों, पत्तों तथा फलों की सुरक्षा करता है।
- ✓ एच.टी. बूटा रक्षक से प्रतिकूल परिस्थितियों (कम/उच्च नमी) में भी फसल एक समान बढ़वार करने में सक्षम होती है।
- ✓ एच.टी. बूटा रक्षक का प्रयोग फूल बनने से पहले करने से फल की गुणवत्ता वृद्धि होती है।
- ✓ एच.टी. बूटा रक्षक फूल झड़ने को भी रोकता है।

सावधानियां :- इसकी बोतल को धूप से बचाकर रखें। खरपतवार नाशकों के साथ इसका प्रयोग ना करें।

उपयोग मात्रा :- 150 से 200 ग्राम प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।

A COLLABORATED PANEL OF HABITAT + ICAR - NATIONAL RESEARCH CENTRE KVS ALLOTMENT PACKAGE

SKU. NO.	ITEM /PRODUCT/VOLUME
KV1001	HT- BIOTIKA BIOMIX-54....500 ML
KV1002	HT- BIOTIKA BIOMIX -54....1 LTR
KV1003	HT- AZO + P.S.B.500 ML
KV1004	HT-AZO + P.S.B. 1 LTR
KV1005	HT-RHIZOBIUM + P.S.B.500 ML
KV1006	HT- HAMMER -K 500 ML
KV1007	HT- HAMMER -M 500 ML
KV1008	HT- HAMMER -K 250 ML
KV1009	HT- HAMMER -M 250 ML
KV1010	HT- BUTA RSKS 500 GM
KV1011	HT- BUTA RSKS 250 GM
KV1012	HT- PHAL RSKS 500 GM
KV1013	HT- PHAL RSKS 250 GM
KV1014	HT- BHOOMI UPCHAR 500 GM PDR
KV1015	HT- BHOOMI UPCHAR 250 GM PDR
KV1016	HT- MYCOROHIZA B.F.3 KG
KV1017	HT- BHOOMI-RAZA (B.F.) 500 ML
KV1018	HT- SULFUR 3 KG PDR
KV1019	HT- SULFUR 5 KG GR
KV1020	HT-DOP 500 ML
KV1021	HT- BIO POTASH 500 ML
KV1022	HT- ORG.ZINK 500 ML
KV1023	HT- ORG.ZINK 200 GM PDR
KV1024	HT- ORG.ZINK 5KG GR
KV1025	HT- BHOOMI-CALCIUM 5 KG
KV1026	HT- NIMO NASHAK 4 KG
KV1027	HT- NIMO NASHAK 500 ML
KV1028	HT- SPIDER QUICK 500 ML
KV1029	HT- SPIDER QUICK 500 ML
KV1030	HT- ZYME KHURAK 3 KG
KV1031	HT- VITA DOSE 1 LTR

SKU. NO.	ITEM /PRODUCT/VOLUME
KV1032	HT- VITA DOSE 500 ML
KV1033	HT- NPK KING 1 LTR
KV1034	HT- NPK KING 500 ML
KV1035	HT- RUDRA 1 LTR
KV1036	HT- RUDRA 500 ML
KV2001	HT- PADDY PGR 500 ML
KV3001	HT- D.KARANTI 5 LTR
KV3002	HT- D.SHAKTI 2.KG
KV3003	HT- PACHAK BOOSTER 500 ML
KV3004	HT- CATTLE FEED CHOORI 48 KG
KV3005	HT- CATTLE FEED CHOORI 30 KG
KV3006	HT- CATTLE FEED KHAL GA 48 KG
KV3007	HT- CATTLE FEED KHAL GA 30 KG
KV3008	HT- CATTLE FEED KHAL GB 48 KG
KV3009	HT- CATTLE FEED KHAL GB 30 KG
KV3010	HT- CATTLE FEED BINOLA AG 48 KG
KV3011	HT- CATTLE FEED BINOLA AG 30 KG
KV3012	HT- MINERAL MIXTURE (CATTLE FEED)
KV3013	HT- FISHERY FEED
KV3014	HT- POULTRY FEED
KV4001	HT- POTAS' 25 Kg (ON DEMAND)
KV4002	HT- POTAS' 50 Kg (ON DEMAND)
KV4003	HT- DOP' 50 Kg (ON DEMAND)
KV4004	HT- DOP' 25 Kg (ON DEMAND)
KV4005	HT- DOP' ALTRA 50 Kg (ON DEMAND)
KV4006	HT- DOP' ALTRA 25 Kg (ON DEMAND)
KV4007	HT- NPK' 50 Kg (ON DEMAND)
KV4008	HT- NPK' 25 Kg (ON DEMAND)
KV4009	HT- BLACK UREA' 25 Kg (ON DEMAND)
KV4010	HT- BLACK UREA' 10 Kg BAALTI
KV4011	HT- ZYME BAALTI 10 KG

ऑर्गेनिक शुद्ध बासमती कच्चा व स्टीम चावल
ऑर्गेनिक 1121 कच्चा व स्टीम चावल
ऑर्गेनिक ब्राउन चावल
ऑर्गेनिक परमल चावल
ऑर्गेनिक सभी प्रकार के चावल टुकड़ा
ऑर्गेनिक साबुत मूंग
ऑर्गेनिक धुली मूंग
ऑर्गेनिक छिलका मूंग
ऑर्गेनिक साबुत उड़द
ऑर्गेनिक उड़द छिलका
ऑर्गेनिक धुली उड़द
ऑर्गेनिक देसी काला चना
ऑर्गेनिक चना दाल
ऑर्गेनिक काबुली चना
ऑर्गेनिक अरहर दाल
ऑर्गेनिक राजमा
ऑर्गेनिक लोबिया
ऑर्गेनिक मोठ
ऑर्गेनिक मसूर साबुत
ऑर्गेनिक मसूर की दाल
ऑर्गेनिक एम.पी. का शुद्ध दलिया
ऑर्गेनिक केसरी दलिया

हमारे खाद्य उत्पाद



ऑर्गेनिक पोहा
ऑर्गेनिक खिचड़ी
ऑर्गेनिक पास्ता
ऑर्गेनिक शुद्ध देसी खांड
ऑर्गेनिक बूरा
ऑर्गेनिक देसी गुड़
ऑर्गेनिक शुद्ध देसी शक्कर
ऑर्गेनिक चाय पत्ती
ऑर्गेनिक हर्बल चाय
ऑर्गेनिक शुद्ध ताजा बेसन
ऑर्गेनिक सूजी
ऑर्गेनिक मैदा
ऑर्गेनिक मल्टीग्रेन आटा
ऑर्गेनिक मिस्सी चना आटा
ऑर्गेनिक मक्की का आटा
ऑर्गेनिक बाजरे का आटा
ऑर्गेनिक सूखे मेवे
ऑर्गेनिक शुद्ध सरसों तेल
ऑर्गेनिक नमक मिर्च हल्दी और मसाला
ऑर्गेनिक गाय का शुद्ध देसी घी
ऑर्गेनिक मिलेट्स, अनाज और आटा
इत्यादि 300 से अधिक ऑर्गेनिक उत्पाद

AFFED+HABITAT+KVS

की बेहतरीन उत्पादों की श्रृंखला

किसान विकास सदन



यह उत्पाद क्रय करके हम और आप मिलकर कृषकों के आर्थिक स्तर में वृद्धि कर रहे हैं।

AFFED+KVS की बेहतरीन पशुआहार एवं सप्लीमेंट्स उत्पादों की श्रृंखला किसान विकास सदन



यह उत्पाद क्रय करके हम और आप मिलकर कृषकों के आर्थिक स्तर में वृद्धि कर रहे हैं।

AFFED+KVS की बेहतरीन अन्य उत्पादों की श्रृंखला किसान विकास सदन



यह उत्पाद क्रय करके हम और आप मिलकर कृषकों के आर्थिक स्तर में वृद्धि कर रहे हैं।

सूक्ष्म-पोषकों की अपूर्णता चार्ट



उपरोक्त चार्ट निर्देशात्मक है।
अलग अलग पौधों पर इसका प्रभाव अलग अलग होता है।

ORGANIC FARMING
ALWAYS BETTER
WHEN
NATURAL



A DRILL ON



Culture & Agriculture

AFFED FARMER PRODUCER COMPANY LIMITED (FPO)

Regd. Office - 1st Floor, Khasra No.856/709, Near CCSHAU Gate No.2,
Balsamand Road, Aggarsain Colony, Hisar (Haryana), 125001, INDIA
Phone Office : +91 1662 319166, M.+91 82783 84028

Corp. Office : 71/4, Upper Ground, Shivaji Marg, Nazafgarh Road,
(Opposite Haldiram), New Delhi-110015
Phone/Mobile : +91 89019 84038, Website - www.mykvs.co
E-mail - support@mykvs.com, Info@mykvs.com

Reproduction of this page in whole or in part is prohibited. Copyright © AFFED. All rights reserved. Printed in India

SCAN TO PAY

AFFED FARMER PRODUCER COM
UPI ID : affedfarmerproducer@sbi

